सोमवार
15 मई 2023

पृष्ठ 4

डायबिटीज में क्यों नहीं खानी चाहिए गाजर ?

पृष्ठ 5

केजीएफ स्टार यश ने निर्देशक गीतू मोहनदास से मिलाया हाथ

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 103
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

तप ही परम कल्याण का साधन है। दूसरे सारे सुख तो अज्ञान मात्र हैं।

– वाल्मीकि

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

4 महिलाओं के हत्यारे ने की आत्महत्या

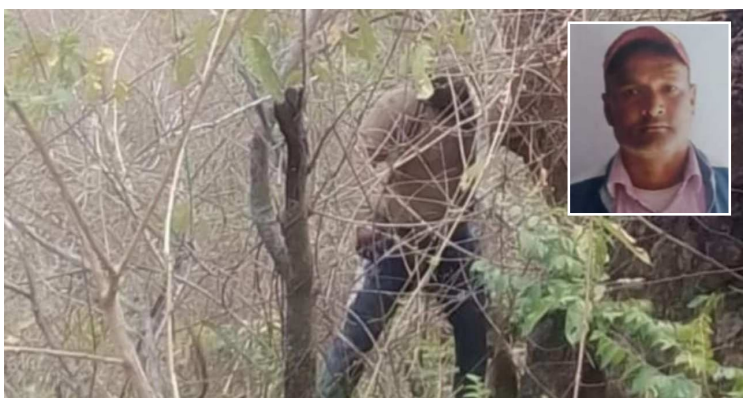

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। गंगोलीहाट बरसुम गांव में 4 महिलाओं की हत्या करने वाले आरोपी ने पेड़ से लटक कर अपनी भी जान दे दी है। सूचना मिलने पर पुलिस व प्रशासन के लोगों ने मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

बता दें कि बीती शुक्रवार सुबह संतोष राम पुत्र मोहनराम ने बरसुम क्षेत्र में 4 महिलाओं की हत्या कर दी गयी थी। जिनमें उसकी पत्नी, ताई, भाभी व चचेरी बहन शामिल थी। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया था। जिसकी तलाश की जा रही थी। बताया जा रहा है कि आरोपी संतोष राम पहले से ही अपनी ताई व उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दिया करता था। जिसकी शिकायत के बावजूद उसे राजस्व पुलिस ने हल्के में लिया और उसने इसके बावजूद अपने गांव में इस चौहरे हत्याकांड को अजाम दिया। बताया यह भी जा रहा है कि आरोपी जब भी अपनी ताई के परिवार को मारने की बात करता था तो उसकी पत्नी चंद्रकला उसका विरोध करती थी। अंदेशा है कि इस विरोध के कारण उसने सबसे पहले अपनी ही पत्नी चंद्रकला की गला घोटकर हत्या कर दी और उसके बाद उसने बड़ियाठ लेकर अपनी ताई के घर में घुसा और वहां सो रही अपनी ताई सहित तीन महिलाओं की हत्या कर दी गयी थी। उत्तराखण्ड जैसे राज्य में एक साथ चार महिलाओं की हत्या की वारदात की खबर सुनकर शासन-प्रशासन में खलबली मच गयी और फिर रेगुलर पुलिस व राजस्व प्रशासन ने मिलकर फरार हत्यारोपी संतोष राम की जगंलों में तलाश शुरू कर दी गयी। लेकिन इतनी कोशिशों के बावजूद संतोष राम पुलिस गिरफ्त में नहीं आया जबकि प्रशासन द्वारा उसकी तलाश में द्रोण का भी इस्तेमाल किया जा रहा था।

चार दिन की तलाश के बाद आज पुलिस को सूचना मिली कि दिवाली बगड़ क्षेत्र के जंगल में उक्त हत्यारे संतोष राम का शव पेड़ से लटका हुआ है। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर हत्यारोपी संतोष राम का शव कब्जे में लेकर अंग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। हालांकि क्षेत्र में यह अफवाह भी फैल रही थी कि संतोष राम इस जघन्य हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आत्महत्या कर सकता है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

तकरार के बीच मजारों पर बुलडोजर वार

विशेष संवाददाता

देहरादून। राज्य में लैंड जिहाद के खिलाफ धामी सरकार का बुलडोजर सरकारी और वन विभाग की भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई मजारों को ध्वस्त करने में लगा हुआ है। आज कुछ स्थानों पर एक समुदाय विशेष के लोगों द्वारा सरकार के इस काम का विरोध करते हुए शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन व नारेबाजी भी की गई लेकिन पुलिस फोर्स की मौजूदगी के कारण विरोध करने वाले लोग मजारों को टूटने से नहीं बचा सके। अधिकारियों का कहना है कि वन विभाग की जमीन पर अवैध अतिक्रमण को कतई भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

राज्य में धार्मिक संरचनाओं की आड़ में किए गए अतिक्रमण को हटाने का काम लगातार जारी है बीते कल जहां 20 मजारों पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी वही आज भी नेशनल कार्बेट टाइगर रिजर्व पार्क में बनी शेर अली बाबा की दरगाह सहित आसपास के क्षेत्र में 10 मजारों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि जिस शेर अली बाबा की मजार

●कॉर्बेट नेशनल पार्क क्षेत्र में 10 मजारे तोड़ी
●बिजरानी रेंज व टिहरी में भी एक्शन
●पुलिस से भिड़ंत, विरोध व प्रदर्शन
●अधिकारी बोले नहीं रुकेगी कार्यवाही

को आज तोड़ा गया है वहां 24 मई से उर्स मेले का आयोजन किया जाना था जिसके लिए चंदा जमा किया जा रहा था। कार्बेट पार्क प्रशासन कई दिनों से कार्यवाही करने में हिचक रहा था लेकिन आज इस मजार पर बुलडोजर चला ही दिया गया। उधर आज ही बिजरानी रेंज में बनी थपली बाबा की मजार को भी तोड़ दिया गया। एक समुदाय विशेष के

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

एनआईए ने जम्मू कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर मारे छापे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने आतंकी साजिश के एक मामले की जांच के सिलसिले में जम्मू कश्मीर के कई जिलों में अनेक स्थानों पर सोमवार को छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलवामा, शोपियां और अनंतनाग जिलों में छापे मारे गए। समाचार लिखे जाने तक छापेमारी जारी थी। बताया जा रहा है कि छापे आतंकवादी और विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आपराधिक साजिश का पता लगाने के लिए उग्रवाद नेटवर्क और अन्य मामलों पर एक बड़ी कार्रवाई का हिस्सा हैं। गौरतलब है कि एनआईए ने अदालत के आदेश के बाद गैरकानूनी गतिविधि (निरोधक) अधिनियम के तहत कश्मीर में तीन आरोपियों की संपत्तियां पिछले सप्ताह कुर्क की थीं। 2 मई को भी जम्मू-कश्मीर के छह जिलों में 12 जगहों पर, पीर पंजाल क्षेत्र, मध्य और दक्षिण कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर तलाशी ली गई थी।

'द केरल स्टोरी' की हिरोइन का हुआ रोड एक्सीडेंट

मुंबई। 'द केरल स्टोरी' में लीड रोल निभाने वाली अदा शर्मा एक रोड एक्सीडेंट में घायल हो गईं। जैसे ही उनके एक्सीडेंट की खबर सामने आई, फैंस उनकी सलामती की दुआ मांगने लगे और एक्ट्रेस को टैग कर उनके हाल जानने की कोशिश करने लगे। बाद में, अदा शर्मा ने अपने हेल्थ अपडेट फैंस को दिया और कहा कि वह ठीक हैं। उनके साथ कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ था। उन्होंने चिंता जताने के लिए फैंस का आभार भी जताया। अदा के मैसेज के बाद फैंस ने राहत की सांस ली है। क्योंकि पिछले कुछ दिनों से उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। अदा शर्मा ने कहा कि वह ठीक हैं और उनके साथ कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ था।

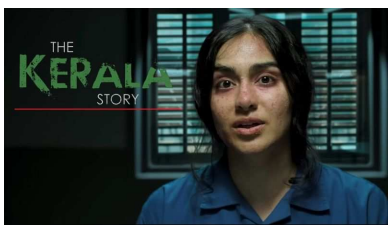

अदा ने अपने ट्वीट में लिखा,"मैं ठीक हूं दोस्तों। मुझे बहुत सारे मैसेज मिल रहे हैं, क्योंकि हमारी एक्सीडेंट होने की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पूरी टीम, हम सब ठीक हैं, कुछ भी सीरियस नहीं है, कोई भी बड़ा हादसा नहीं हुआ है, लेकिन चिंता के लिए धन्यवाद।

इससे पहले, 'द केरल स्टोरी' को मिल रहे ऑडियंस से प्यार पर अदा शर्मा ने खुशी जताई। उन्होंने फिल्म को लेकर तमाम विवादों के बावजूद 'द केरल स्टोरी' को ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने ट्वीट में लिखा, मेरी ईमानदारी से किए गए काम को बदनाम किया, मेरी सत्यनिष्ठ का मजाक उड़ाया, धमकियां दी, हमारे टीजर पर बैन, कुछ राज्यों में फिल्म पर बैन लगाया, बदनामी कैंपेन शुरू हुआ लेकिन आपने, दर्शकों ने द केरल स्टोरी को नंबर एक बना दिया। अदा शर्मा ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, एक महिला प्रधान फिल्म ! वाह! दर्शक आप जीत गए। आप जीत गए और अब हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जा रहे हैं।" 'द केरल स्टोरी' सिनेमाघरों में उम्मीद से बेहतर कमाई कर रही है। बता दें कि रिलीज के दो हफ्तों में फिल्म 130 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर सकती है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अव्यवस्थाओं से निपटने की चुनौती

भले ही सरकार चार धाम यात्रा में आ रहे व्यवधान के लिए खराब मौसम को जिम्मेदार बताकर अपना पल्ला झाड़ रही हो लेकिन इसके लिए अव्यवस्थाएं भी कम जिम्मेदार नहीं है। अभी बीते दिनों केदारनाथ यात्रा को एक-दो दिन के लिए पूर्णतया रोका गया था जिसका कारण धाम में हो रही बर्फबारी और ग्लेशियर टूटने से रास्तों का अवरुद्ध होना ही था लेकिन चार धाम यात्रा के लिए पहले रजिस्ट्रेशन 15 मई तक रोका जाना और अब इस तारीख को 25 मई तक बढ़ाया जाना खराब मौसम की वजह कम, धाम में फैली अव्यवस्थाएं अधिक है। सरकार द्वारा यात्रियों की रहने और धाम में ठहरने तथा खाने-पीने की समुचित व्यवस्था नहीं की गयी है। जीएमवीएम द्वारा जो यात्रियों के ठहरने के लिए टेंट की व्यवस्था की गई है वह डावाडोल है। लोग शौचालय तक के लिए परेशान हैं वहीं लाटरी के जरिए स्थानीय लोगों को टेंट लगाने का अवसर दिया गया था उन्हें नाहक ही परेशान किया जा रहा है और वह परेशान होकर अपना बोरिया बिस्तर समेटने पर मजबूर हैं। धाम तक जाने के लिए घोड़ा खच्चरों की व्यवस्था है वह भी ठीक नहीं है। पैदल मार्ग पर जाने वाले यात्रियों को इसके कारण भारी परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। पैदल मार्ग पर अभी से गंदगी की जिस तरह से भरमार देखी जा रही है अगर उसकी स्थिति यही रही तो आने वाले दिनों में क्या हाल होगा? यह सहज समझा जा सकता है। सरकार द्वारा दावा किया गया था कि हेली सेवा में इस साल कोई गड़बड़ी नहीं होगी तथा ब्लैक मेलिंग पर रोक लगाई जाएगी उसमें भी सरकार फेल होती दिख रही है। एक तरफ हेली सेवा में ब्लैक मेलिंग और मनमानी जारी है वहीं दूसरी ओर घोड़ा खच्चर वाले भी 2 गुना ज्यादा किराया वसूल रहे हैं। यात्रियों को खाने पीने का सामान भी औने पौने दामों पर मिल रहा है। सरकार के स्तर पर कहा जा रहा था इस बार चारों धामों में व्यवस्थाएं पहले से अधिक चाक-चौबंद होगी और यात्रियों को दर्शनों के लिए लाइनों में नहीं लगना पड़ेगा लेकिन यहां स्लाट सिस्टम की बात तो छोड़िए श्रद्धालुओं को गर्भ ग्रह तक जाने और दर्शन करने का अवसर भी नहीं मिल पा रहा है और उन्हें मेन हाल से ही दर्शन करा कर बाहर धकेल दिया जा रहा है क्योंकि धाम में श्रद्धालुओं की भीड़ इतनी अधिक पहुंच रही है कि उसे संभालना मुश्किल हो रहा है। धाम की क्षमता 10-12 हजार श्रद्धालुओं की है और 25-26 हजार श्रद्धालु हर रोज धाम पहुंच रहे हैं। यह हाल तब है जब मौसम खराब है। सरकार ने एक निश्चित संख्या में ही एक दिन में श्रद्धालुओं के भेजने की जो व्यवस्था की थी उसे समाप्त नहीं करना चाहिए था लेकिन स्थानीय लोगों व पंडा पुजारियों के दबाव में सरकार ने यह व्यवस्था समाप्त कर दी जो अब अव्यवस्थाओं का मुख्य कारण बन रही है। रजिस्ट्रेशन पर रोक इसका कोई सही समाधान नहीं है देखना यह है कि आने वाले दिनों में बद्री केदार प्रबंध समिति व सरकार इन अव्यवस्थाओं से कैसे निपटती है। जिसके कारण गलत संदेश जा रहा है और देवभूमि व सरकार की छवि खराब हो रही है।

सिटी मजिस्ट्रेट के पुत्र ने बोर्ड परीक्षा में प्राप्त किये 96.2 प्रतिशत अंक

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सिटी मजिस्ट्रेट हरिद्वार, नुपुर वर्मा के पुत्र ओजस्व ने बोर्ड की परीक्षा में 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर माता पिता का नाम रोशन किया है। सिटी मजिस्ट्रेट नुपुर वर्मा के पुत्र ओजस्व जो कि डीपीएस के छात्र है। जिन्होंने 10वीं की सीबीएसई बोर्ड की परीक्षा में 96.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय तथा अपने परिवार का नाम रोशन किया है। ओजस्व ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के साथ अपने गुरुजनों को दिया है। ओजस्व ने बताया कि वह अपने माता-पिता व गुरुजनों के दिशा निर्देशों के साथ लगातार अध्ययन करते थे जिसके चलते उन्हें यह सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि उनका सपना सिविल सर्विस में जाकर देश व समाज की सेवा करना है। ओजस्व की सफलता पर परिजनों सहित शहर के गणमान्य लोगों ने ओजस्व को बधाई दी।

यथा कलां यथा शफं यथ ऋणं संनयामसि।
एवा दुष्वप्न्यं सर्वमाप्त्ये सं नयामस्यनेहसो व ऊतय: सुतयो व ऊतय:॥
(ऋग्वेद ८-४७-१७)

जिस प्रकार हम नाखून के मृत भाग को काट कर दूर कर देते या जिस प्रकार हम जानवरों के खुरों के मृत भाग को काट कर दूर कर देते या जिस प्रकार हम मृत ऋण को दूर कर देते हैं। उसी प्रकार जो इस विशाल संसार के प्रति हमारा दु:स्वप्न हैं उसको दूर कर दो। परमेश्वर का रक्षण हमारे प्रति निष्पाप और उत्तम है।

Just as we cut away the dead part of the nail, or the way we cut away the dead part of the hooves of the animals, or the way we remove the dead debt. In the same way, remove our nightmares about this vast world. God's protection for us is sinless and perfect.
(Rig Ved 8-47-17)

काफल की मार्मिक कहानी...!

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

उत्तरकाशी। एक गांव में एक गरीब महिला अपनी बेटी के साथ रहती थी। आमदनी के लिए उस महिला के पास थोड़ी-सी जमीन के अलावा ज्यादा कुछ था नहीं था। गर्मियों में जैसे ही काफल पक जाते, महिला को अतिरिक्त आमदनी का जरिया मिल जाता था। वह जंगल से काफल तोड़कर उन्हें बाजार में बेचती, और अपने लिए और अपनी बेटी के लिए सामान ले आती।

एक बार महिला जंगल से सुबह-2 एक टोकरी भरकर काफल तोड़ कर लाई। उसने शाम को काफल बाजार में बेचने का मन बनाया और अपनी मासूम बेटी को बुलाकर कहा, 'मैं जंगल से चारा काट कर आ रही हू। तब तक तू इन काफलों की पहरेदारी करना। मैं जंगल से आकर तुझे भी काफल खाने को दूंगी, पर तब तक इन्हें मत खाना।' इतना कह कर व पशुओं को चराने ले गयी।

मां की बात मानकर उसकी बेटी उन काफलों की पहरेदारी करती रही। कई बार उन रसीले काफलों को देख कर उसके मन में लालच आया, पर मां की बात मानकर वह खुद पर काबू कर बैठे रही। इसके बाद दोपहर में जब उसकी मां घर आई तो उसने देखा कि सुबह तो काफल की टोकरी लबालब भरी थी पर अभी कुछ कुछ काफल कम थे। मां ने देखा कि पास में ही उसकी बेटी गहरी नींद में सो रही है।

माँ को लगा कि मना करने के बावजूद उसकी बेटी ने काफल खा लिए है। उसने गुस्से में घास का गट्ठर एक ओर फेंका और सोती हुई बेटी की पीठ पर मुट्ठी से प्रहार किया। नींद में होने के कारण छोटी बच्ची अचेत अवस्था में थी और मां का प्रहार उस पर इतना तेज लगा कि वह बेसुध हो गई।

बेटी की हालत बिगड़ते देख मां ने उसे खूब हिलाया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। मां अपनी प्यारी बेटी की इस तरह मौत पर वहीं बैठकर रोती रही। उधर, शाम होते-होते काफल की टोकरी फिर से पूरी भर गई। जब महिला की नजर टोकरी पर पड़ी तो उसे समझ में आया कि दिन की चटक धूप और गर्मी के कारण काफल मुरझा गये थे इसलिए कम दिखे जबकि शाम को ठंडी हवा लगते ही वह फिर ताजे हो गए और टोकरी फिर से भर गयी। मां को अपनी गलती पर बेहद पछतावा हुआ और उसने भी खुदकुशी कर ली।

आज भी वो मां-बेटी पंछियों के रूप में गर्मियों में एक पेड़ से दूसरे पेड़ पर फुदकती हैं और अपना पक्ष रखती हैं। बेटी कहती है- काफल पाक्यो, मैं नी चाख्यो, यानि मैंने काफल नहीं चखे है। फिर प्रत्युतर में चिड़िया बनी माँ भी करुणामय तरीके से गाते हुए कहती है पुर पुताई पूर पूर, यानी 'पूरे हैं बेटी, पूरे हैं'। ये कहानी प्रचलित है।

आजकल उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों के काफल के जंगल काफल के फलों से लकदक है। प्राकृतिक और आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर काफल के ताजे फलों को खाने का मजा ही अलग है। समुद्रतल से 1500 मीटर से लेकर 2500 मीटर तक कि ऊँचाई में उगने व पाए जाने वाला काफल वृक्ष पर्यावरण व पानी के प्राकृतिक जलश्रोतों को निरंतर बनाये रखने के लिए अति महत्वपूर्ण होता है। पहाड़ों के अधिकतर गाँव मे प्राकृतिक जलश्रोतों के जल का मूल स्रोत ये ही काफल, बाँझ, बुराँश और भमोर के ये मिश्रित जंगल होते है। ।

काफल, बाँझ, बुराँश और भमोर के मिश्रित जंगलों के जड़ियों का जल बहुत उपयोगी व लाभप्रद भी होता है। सौभाग्यशाली होते हैं वे ग्रामीण जिनके गाँव के आसपास इन जंगलों के जड़ियों के पानी का स्रोत होता है। काफल के पेड़ की छाल का प्रयोग चर्मशोधन (टैनिंग) के लिए भी किया जाता है। काफल का फल गर्मी में शरीर को ठंडक प्रदान करता है। साथ ही इसके फल खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढती है एवं हृदय रोग, मधुमय रोग उच्च एंव निम्न रक्त चाप नियान्त्रित होता है।

काफल का वानस्पतिक नाम माईरिका इस्क्यूलेटा है। यह मुख्यता हिमालय के तलहटी में होता है। दुनिया में वैज्ञानिकों से लेकर आयुर्वेदिक विशेषज्ञों ने इसे दवाई के लिए हमेशा इस्तेमाल किया है।

रेलवे पुल पर लटका मिला शव

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गंगनहर स्थित रेलवे पुल पर एक व्यक्ति का शव लटका हुआ मिलने पर सनसनी फैल गयाी। सूचना मिलने पर जीआरपी व आरपीएफ मौके पर पहुंची और पड़ताल शुरू कर दी गयी, शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। वही माना जा रहा है कि मृतक चलती ट्रेन से नीचे गिरा होगा। जानकारी के अनुसार रुड़की मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने आज सुबह एक शव रुड़की रेलवे स्टेशन के समीप स्थित रेलवे पुल पर गंगनहर के बीच लटका हुआ देखा। मामले की सूचना जीआरपी को दी गई, मौके पर पहुंचे जीआरपी के जवानों ने पड़ताल शुरू की। वही प्रथम दृष्टयता सामने आया है कि मृतक चलती ट्रेन से नीचे गिरा होगा और लोहे के पिलरो से टकराकर उसकी मौत हो गई और उसका हाथ एक पिलर में फंस कर नीचे की ओर लटक गया। जीआरपी के जवानों ने मृतक के सामान की जांच पड़ताल की जिससे शिनाख्त करने का प्रयास किया गया, लेकिन कोई पहचान पत्र उसके सामान से बरामद नहीं हुआ। वही मृतक के हुलिए के अनुसार वह फकीर जैसा लग रहा है और उम्र लगभग 65 वर्ष के आसपास बतायी जा रही है।

'धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करेगा'

देहरादून (कासं)। श्री भागवत सेवा समिति श्री महाकाल सेवा समिति श्री शाकुंभरी देवी सांस्कृतिक सेवा समिति द्वारा आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के विश्राम दिवस पर आज की कथा, श्रीमद् भागवत कथा के श्रवण से परीक्षित का श्राप मृत्यु का भी वरदान बन गया जीवन में श्री कृष्ण कथा महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे सत्कर्म ही जीवन जीने कला में परिवर्तन ला सकते हैं समाज अपनी संस्कृति को भूल दगया है इसलिए युवाओं में भटकाव की स्थिति है दत्तात्रेय ने 24 गुरु बनाए प्रकृति में सब कुछ शिक्षा प्रद है गौ रक्षा, पर्यावरण रक्षा का संदेश देते विश्राम दिवस पर बोलते कथा व्यास सुभाष जोशी ने कहा धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म हमारी रक्षा करेगा। राज्य वह देश का कल्याण महिला संवर्धन व बेटी संवध न तभी संभव है जब इस तरह की कथा का आयोजन होता रहे भागवत जीवन व मोक्ष का प्रमुख ग्रंथ है व कलिकाल के संकष्टों से दूर रखता है राष्ट्र का उत्थान भी भागवत के द्वारा संभव है। कथा विश्राम के बाद विशाल समष्टि भंडारा किया गया श्री कृष्ण का प्रसाद सभी भक्तजनों ने ग्रहण किया। इस दौरान तीनों संस्था के अध्यक्ष और सभी सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वास्थ्य के लिए है लाभदायक स्ट्रॉबेरी

खट्टे-मीठे स्वाद से भरपूर स्ट्रॉबेरी का इस्तेमाल अक्सर डेजर्ट और स्मूदी में किया जाता है। यह फल न सिर्फ इम्युनिटी बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि हृदय को स्वस्थ रखने और शरीर को कैंसर जैसी घातक बीमारियों से बचाने में भी सहायक है। ऐसे में इसे अपनी डाइट में शामिल करना लाभदायक है। आइए हम आपको 5 ऐसे व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिनके जरिए आप स्ट्रॉबेरी को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी मूस

कुछ स्ट्रॉबेरी को थोड़ी चीनी के साथ ब्लेंडर में डालें और जब तक चिकना पेस्ट न बन जाए तब तक इसे ब्लेंड करते रहें। अब थोड़ी-सी क्रीम को फेंट लें और उसमें थोड़ा-सा स्ट्रॉबेरी का मिश्रण मिलाएं। इसके बाद एक गिलास में बाकि स्ट्रॉबेरी का पेस्ट डालें, फिर ऊपर से क्रीम डालें। इसी तरह मिश्रण की 3-4 लेयर बना लें। अंत में इस पर स्ट्रॉबेरी गार्निश करें और कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें, फिर इसका सेवन करें।

स्ट्रॉबेरी की कुल्फी

इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्लेंडर में स्ट्रॉबेरी, नींबू का रस, कुछ तुलसी के पत्ते और शहद को डालकर अच्छे से ब्लेंड करें, फिर इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में भरकर फ्रिज में रख दें। इसके बाद जब आपको कुल्फी खानी हो तब सांचे को गर्म पानी में हल्का-सा डुबोकर कुल्फी को निकालकर उसका जायका लें। आप चाहें तो कुल्फी की इन 5 रेसिपी को भी ट्राई कर सकते हैं।

स्ट्रॉबेरी चीज़ केक

केक के टिन को मक्खन से चिकना करें, फिर इसमें चॉकलेट बिस्कुट का चुरा डालकर चम्मच से दबाएं। इसके बाद टिन को 30 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। अब आवश्यकतानुसार स्ट्रॉबेरी को मिक्सी में पीसें, फिर इसे एक बड़े कटोरे में क्रीम चीज़, सॉर क्रीम और चीनी के साथ अच्छे से मिलाएं। इसके बाद इस मिश्रण को केक के टिन में डालें, फिर इसे ओवन में 50-55 मिनट के लिए बेक करके इसका स्वाद लें।

स्ट्रॉबेरी और तुलसी का सोडा

गर्मी का मौसम आ गया है और ऐसे में कुछ रिफ्रेशिंग पीने की इच्छा सबसे ज्यादा रहती है। स्ट्रॉबेरी और तुलसी का सोडा आपको भरपूर ऊर्जा देने के साथ सक्रिय रखने में भी मदद कर सकता है। इसे बनाने के लिए स्ट्रॉबेरी, शहद, तुलसी के पत्ते, संतरे का जूस और बाल्समिक सिरका मिलाकर ब्लेंड करें। अब इसमें सोडा पानी और बर्फ डालकर इसे परोसें औक खुद भी इसका आनंद लें।

स्ट्रॉबेरी पेनकेक्स

सबसे पहले एक कटोरे में मैदा, बेकिंग पाउडर और दालचीनी मिलाएं। अब एक जग लें और उसमें सोया दूध, वेनिला अर्क और दही को डालकर अच्छे से मिलाएं, फिर इसमें मैदे वाला मिश्रण मिलाएं। इसके बाद मिश्रण की एक करछी को तेल लगे तवे पर डालें और इसे धीमी आंच पर सुनहरा भूरा होने तक पकाएं। इसी तरह पूरे मिश्रण से पैनकेक बनाकर इनके ऊपर स्ट्रॉबेरी प्यूरी डालें और ताजी स्ट्रॉबेरी को गार्निश करके इसे परोसें।

भारत में हॉरर-थ्रिलर जॉनर के साथ न्याय नहीं हुआ है : गुल पनाग

हाल ही में रिलीज हुई स्ट्रीमिंग शॉर्ट फिल्म द हॉन्टिंग में अपने काम के लिए सराहना बटोर रहीं एक्ट्रेस गुल पनाग का मानना है कि भारत में हॉरर जॉनर को अभी अपनी वास्तविक क्षमता तक पहुंचना बाकी है। एक्ट्रेसक ने शॉर्ट फिल्म में एक मनोचिकित्सक की भूमिका निभाई है, जिसमें एरिका फर्नाडीस और प्रकृति मिश्रा भी हैं।

हॉरर शॉर्ट फिल्म मौसमी नाम की एक लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर भूतों का साया है और उस पर अपने सबसे करीबी दोस्त की हत्या का आरोप है। यह फिल्म वास्तविक घटनाओं पर आधारित बताई जा रही है और इसका निर्देशन तनवीर बुकवाला ने किया है। हॉरर जॉनर पर अपने विचार साझा करते हुए, एक्ट्रेस ने कहा, हॉरर-थ्रिलर जॉनर पर मेरे दो विचार हैं, पहला अभिनेता के रूप में और दूसरा एक दर्शक के रूप में। एक अभिनेता के रूप में मेरा विचार है कि हमने भारत में हॉरर-थ्रिलर जॉनर के साथ न्याय नहीं किया है। हमने एक ही तरह का हॉरर-थ्रिलर जॉनर किया है। जबकि इसका दायरा काफी बड़ा है। उन्होंने कोरियाई और जापानी हॉरर के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जोर डाला, जिसने पूरी दुनिया में मानक स्थापित किए हैं।

उन्होंने कहा, देखिए बाकी दुनिया क्या कर रही है। कोरियाई अपनी हॉरर जॉनर के साथ क्या कर रहे हैं। जापानी आगे हैं। बेशक, हॉलीवुड ने लंबे समय तक अविश्वसनीय हॉरर किया है। इसलिए, मुझे लगता है कि हॉरर में परफॉर्मेंस करने की गुंजाइश, इंक्रेडिबल विजुअल इफेक्ट्स वाली फिल्मों का हिस्सा बनने की गुंजाइश बहुत बड़ी है। उन्होंने आगे कहा, अब, एक दर्शक के रूप में मुझे व्यक्तिगत रूप से डरावनी फिल्में देखने से डर लगता है। अगर आप शानदार फिल्में बनाते हैं, तो दर्शक डर जाएंगे, जो एक डरावनी फिल्म का प्रमुख लक्ष्य है। द हॉन्टिंग फिलहाल अमेजन मिनी टीवी पर उपलब्ध है।

दुर्गंध रहित सांसों के लिए अपनाएं देसी उपाय

बात करते और हंसते वक्त जिस व्यक्ति की सांसों से बदबू आती हो, उसके पास कोई बैठना पसंद नहीं करता। फिर वह व्यक्ति देखने में कितना ही सुंदर क्यों ना हो। केवल सामाजिक व्यवहार के लिए ही नहीं बल्कि अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए भी हमें इस दुर्गंध का कारण पता होना चाहिए...

बैक्टीरिया के कारण आती है दुर्गंध

सांसों की दुर्गंध को मेडिकल भाषा में हेलिटोसिस कहते हैं। यह दुर्गंध या कहिए कि सांसों की स्मेल मुंह में पनपनेवाले बैक्टीरिया के कारण आती है। यह बैक्टीरिया इस ओर हमारा ध्यान दिलाने का काम भी करते हैं कि हमारे शरीर के साथ सबकुछ ठीक नहीं है। बल्कि पाचन तंत्र से लेकर ओरल हेल्थ तक सब पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

सांसों की दुर्गंध के मुख्य कारण

-फास्ट फूड और स्पाइसी और ऑइली फूड

-तंबाकू प्रोडक्ट्स

-दांतों और मुंह की सही देखभाल ना करना, -सेहत संबंधी समस्याएं,

-मुंह का सूखापन,

-दांतों की तकलीफ

- ओरल इंफेक्शन

-किसी भी तरह का नशा करना

मुंह में होनेवाली क्रियाओं को समझें

-मुंह में मौजूद लार या सलाइवा हमारे मुंह को हाइड्रेट रखने में मदद करता है।

-इस सलाइवा में मौजूद ऐंटीबैक्टीरियल प्रॉपर्टीज दांतों को कई तरह की बीमारियों से बचाने का काम करती हैं।

-अगर किसी भी कारण से मुंह सूखा रहने लगे या सलाइवा की कमी हो जाए तो मुंह से बदबू आने लगती है।

-सलाइवा की कमी के कारण दांतों अन्य बीमारियां भी हो सकती हैं।

सुगंधित सांसों के लिए

-अगर आप मुंह की दुर्गंध के कारण किसी अप्रिय स्थिति का सामना नहीं करना चाहते हैं तो अच्छा रहेगा कि हर दिन कम से कम 3 लीटर पानी पिएं। पानी की यह सीमा वयस्कों के लिए है।

- खाना खाने से पहले पानी पी सकते हैं और खाना-खाने के कम से कम 25 मिनट बाद पानी पी सकते हैं। लेकिन भोजन के साथ पानी ना पिएं और भोजन के तुरंत बाद पानी ना पिएं।

-ऐसा करने से आपके पेट का पाचनतंत्र ठीक प्रकार से काम करता रहेगा और आपको सांसों की दुर्गंध की समस्या से नहीं जूझना पड़ेगा।

-किसी भी कारण से अगर आपको सांस की दुर्गंध को तुरंत दूर करना है तो आप सौंफ का उपयोग कर सकते हैं। या मुंह में लॉन्ग रखकर उसे टॉफी की तरह चूसते रहें। सांस की दुर्गंध से तुरंत राहत मिलेगी।

- भोजन करने के बाद प्रतिदिन सौंफ खाने से पाचन अच्छी तरह होता है। साथ ही मुंह की दुर्गंध से भी छुटकारा मिलता है।

-हर दिन कम से कम दो बार ब्रश अवश्य करें। प्रातः दिन की शुरुआत होते ही और रात को सोने से पहले। ऐसा करने से मुंह में दुर्गंध उत्पन्न करनेवाले बैक्टीरिया का नाश होता है।

-यदि संभव हो सके तो एक समय नीम या अशोक की दातून का अवश्य उपयोग करें। इससे सांस तो सुगंधित होगी ही साथ ही आपको मुंह की कई समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

-पुदीना पत्ती चबाना भी एक ऐसा विकल्प है, जो आपको सांस की दुर्गंध से तुरंत राहत प्रदान करने का कार्य करता है।

सीने में जलन हो तो सबसे पहले अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

सीने में जलन या एसिड रिफलक्स होना एक आम पाचन संबंधी समस्या है। आमतौर पर इसके लिए ओमेप्राजोल जैसी दवा ली जाती है। हालांकि, जीवनशैली और खानपान में कुछ बदलाव करके भी सीने में जलन की दिक्कत को कंट्रोल किया जा सकता है।

जब पेट का एसिड वापस भोजन नली में आ जाता है तो एसिड रिफलक्स की समस्या उत्पन्न होती है जिसके कारण सीने में जलन महसूस होने लगती है। इस समस्या को घरेलू उपचार से आसानी से ठीक किया जा सकता है। आइए जानते हैं सीने में जलन के घरेलू उपचार के बारे में।

सीने में जलन की देसी दवा है एप्पल सिडर विनेगर

कुछ लोगों को सीने में जलन से राहत दिलाने में एल्प सिडर विनेगर मदद करता है। एक चम्मच एप्पल सिडर विनेगर को पानी के साथ लेने पर पेट में एसिड का लेवल कम हो सकता है। लेकिन सीने में जलन में एप्पल सिडर विनेगर के इस प्रभाव का कोई वैज्ञानिक तथ्य मौजूद नहीं है।

सीने में जलन का देसी इलाज है प्रोबायोटिक्स

पेट से जुड़ी कई परेशानियों जैसे कि दस्त, पेट फूलना और गैस आदि के लिए प्रोबायोटिक्स ले सकते हैं। अगर आपको पाचन खराब होने की वजह से अक्सर सीने में जलन की शिकायत रहती है तो अपने आहार प्रोबायोटिक चीजों को शामिल करें।

सीने में जलन का घरेलू इलाज है च्युइंगम

एक अध्ययन में पाया गया है कि खाना

खाने के बाद 30 मिनट तक शुगर-फ्री च्युंइगम चबाने से भोजन नली में एसिड का स्तर कम हो जाता है। कुछ लोगों को पुदीने से बनी च्युइंगम खाने से ज्यादा दिक्कत हो सकती है इसलिए ऐसा करने से बचें।

सीने में जलन का घरेलू नुस्खा है एलोवेरा जूस

कहा जाता है कि एलोवेरा जूस पीने से पेट का एसिड कम होता है और जलन से भी राहत मिलती है। अगर आपको सीने में जलन महसूस हो रही है तो आप एलोवेरा जूस का सेवन कर सकते हैं।

सीने में जलन का घरेलू उपचार है केला

केला लो एसिड फल है और इसमें मौजूद विटामिन पेट में ऐंठन को रोकने में मदद करते हैं। सीने में जलन होने पर आप एक केला भी खा सकते हैं।

सीने में जलन का घरेलू इलाज है पुदीना

पुदीना पेट को आराम देता है। इसे लेने के बाद निश्चित ही आपको राहत महसूस होगी। हालांकि, पुदीना कुछ लोगों में एसिड रिफलक्स के लक्षणों को बढ़ा भी सकता है क्योंकि ये मांसपेशियों को ढीला कर देता है जिससे कि एसिड भोजन नली में ही रहता है।

सीने में जलन का उपाय है बेकिंग सोड़ा

एक गिलास पानी में एक चुटकी बेकिंग सोडा डालकर पीने से पेट में एसिड का स्तर कम हो सकता है। बेकिंग सोडा एंटासिड की तरह काम करता है।

जीवनशैली में लाएं ये बदलाव

*तली और वसायुक्त चीजों, कैफीन, चॉकलेट, मसालेदार भोजन से सीने में जलन हो सकती है। इन चीजों को खाने से बचें।

*मोटापे में भी सीने में जलन होने की दिक्कत ज्यादा रहती है। अगर आपका वजन ज्यादा है तो सबसे पहले इसे कम करें।

*रात को सोने से कम से कम तीन घंटे पहले भोजन करें।

*शराब और तंबाकू का सेवन न करें।

*ढीले कपड़े पहनने से पाचन तंत्र पर कम दबाव पड़ता है।

हेतल यादव ने कोरियोग्राफी से लेकर अभिनय और गृहिणी बनने तक सब कुछ किया है

अभिनेत्री हेतल यादव, जिन्होंने एक कोरियोग्राफर के रूप में अपना करियर शुरू किया था और इस समय धारावाहिक 'इमली' में शिवानी के रूप में नजर आ रही हैं, उन्होंने इस बारे में बात की कि कैसे एक महिला शादी करने के बाद अपने जीवन के शुरुआती वर्षों को याद करती है। उन्होंने एक सामान्य व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को बनाए रखने में आने वाली कठिनाइयों के बारे में अपना उदाहरण दिया।

उन्होंने कहा : हां, न केवल एक अभिनेत्री के रूप में, बल्कि किसी भी पेशे में एक कामकाजी महिला होने के नाते हम बहुत सारी चीजों और प्रोजेक्टों से बाहर हो जाते हैं, क्योंकि हमें परिवार और बच्चों को चुनना होता है, लेकिन तब आप भी अपने परिवार को चुनने में खुशी महसूस करते हैं। एक समय था, जब मेरे बेटे को मेरी सबसे ज्यादा जरूरत थी। लेकिन अब, जब वह एक सज्जन व्यक्ति है तो मुझे लगता है कि अब मुझे अपने कार्यक्षेत्र में चमकने का समय है।

अभिनेत्री, जिन्हें 'बैरिस्टर बाबू' में भी देखा गया था, ने कहा : मुझे इस बात का बहुत दुख होता था कि मुझे अपने बेटे को पीछे छोड़ना पड़ा और सेट पर काम करने के लिए रिपोर्ट करना पड़ी। मैं पहले से ही कई एक्टिंग गिग्स कर रही थी और कोरियोग्राफर थी। लेकिन, मेरी मां और मेरी बहन ने मेरे बेटे की अच्छी देखभाल की, इसलिए मैं काम पर थोड़ा तनाव मुक्त रहती थी। आज, वह मेरा ख्याल रखता है और मुझे किसी और से बेहतर समझता है।

पेशेवर मोर्चे पर, अभिनेत्री ने 25 साल से अधिक के अपने करियर में 'उतरन', 'बन्नी चौ होम डिलीवरी', 'आप के आने से', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' जैसे टीवी शो में अभिनय किया है।

निर्देशक आनंद रंगा की व्यवस्था एक युवा वकील के संघर्ष की कहानी

तेलुगू निर्देशक आनंद रंगा ने कार्तिक रत्नम, संपत राज, हेबाह पटेल, कामना जेटमलानी, सुकुरथा वागले, शिवानी, सुजीत कुमार रेड्डी, राजा अशोक और गुरुराज अभिनीत अपनी वेब सीरीज व्यवस्था के बारे में बात की।8-एपिसोड का कोर्ट रूम ड्रामा दो वकीलों की कहानी है, एक सत्ता का भूखा वकील चक्रवर्ती है और दूसरा एक दलित वामसी है।

अपनी हकलाने की समस्या के कारण वामसी को कानून का अभ्यास करने में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन जब उसकी पूर्व प्रेमिका पर हत्या का आरोप लगाया जाता है, तो वह मामले को उठाने का फैसला करता है। कोर्टरूम में वे यह निर्धारित करने के लिए बहस करते हैं कि क्या यामिनी (हेब्बा पटेल द्वारा अभिनीत) ने अपने पति की हत्या की थी।

वेब सीरीज के बारे में बात करते हुए, निर्देशक आनंद ने कहा: कहानी आपको एक युवा लॉ ग्रेजुएट के जीवन के माध्यम से ले जाती है, जो एक शक्तिशाली वकील के खिलाफ मामला उठाता है, और इस प्रक्रिया में बहुत सारी चुनौतियों और असफलताओं का सामना करता है।

आनंद रंगा ने तेलुगु फीचर फिल्म ओए! के साथ अपने निर्देशन की शुरूआत की। 2009 में और बाद में शूटआउट एट अलेयर का निर्देशन किया। निर्देशक ने साझा किया कि उन्होंने वेब शो को वास्तविक बनाने के लिए सबसे अच्छा प्रयास किया है और कानूनी प्रक्रिया को प्रामाणिक तरीके से दिखाने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा, हमने सभी कानूनी प्रक्रियाओं को एक प्रामाणिक तरीके से प्रदर्शित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश की है। प्रत्येक चरित्र को सावधानीपूर्वक स्केच किया गया है और सभी कलाकारों ने अपनी क्षमता के आधार पर बेस्ट परफॉर्म किया है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह उतना ही पसंद आएगा जितना मुझे सीरीज बनाना पसंद आया।

पट्टाभि आर. चिलुकुरी द्वारा निर्मित और आनंद रंगा द्वारा निर्देशित तेलुगु मूल कानूनी ड्रामा सीरीज व्यवस्था जी5 पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

डायबिटीज में क्यों नहीं खानी चाहिए गाजर ?

गाजर में ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं और ये शरीर में ब्लड की कमी को दूर करने में भी बहुत मदद करती है। यही कारण है कि गाजर को सलाद में खाने की सलाह भी दी जाती है और इसका जूस पीने की भी। लेकिन शुगर के मरीजों के लिए गाजर खाना हानिकारक हो जाता है। क्योंकि गाजर खाने से ब्लड शुगर लेवल अचानक से हाई हो सकता है।।

डायबिटीज में गाजर क्यों ना खाएं?

*इस बात में कोई शक नहीं है कि खून बढ़ाने के साथ ही गाजर पेट को साफ रखने का काम भी करती है, जिससे लिवर और आंते हेल्दी रहते हैं। लेकिन शुगर पेशेंट्स यदि गाजर की सलाद या जूस का सेवन करते हैं तो इनका ब्लड शुगर लेवल अचानक से हाई हो सकता है।

*ऐसा इसलिए होता है क्योंकि गाजर में नैचरल शुगर कंटेंट काफी हाई होता है, जिस कारण इसका सेवन करने से ब्लड में शुगर की मात्रा हाई हो जाती है और हम सभी काफी फ्रेश और एनर्जेटिक फील करते हैं। लेकिन यदि डायबिटीज के पेशेंट्स का शुगर लेवल इस तरह से अचानक बढ़ जाए तो यह हेल्थ के लिए बहुत बुरा हो सकता है। इसलिए शुगर पेशेंट्स को कभी भी गाजर का जूस या गाजर की सलाद अधिक मात्रा में नहीं लेने चाहिए।

शुगर में कैसे खाएं गाजर?

*आपको गाजर खानी है और आप शुगर के पेशेंट हैं तो इसे खाने का सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसे मिक्स वेज के रूप में खाएं।

*गाजर की सलाद भी मूली, खीरा, ककड़ी इत्यादि के साथ मिलाकर खाएं।

*जितना हो सके गाजर का जूस ना ही पिएं। क्योंकि ये शुगर पेशेंट्स को अधिक परेशान करने वाला हो सकता है। क्योंकि इसमें से गाजर का फाइबर तो अलग हो जाता है जबकि स्वीटनेस बढ़ाने के लिए अलग से शुगर और मिलाई जाती है।

*वेजिटेबल सूप में गाजर का सेवन करना चाहते हैं तो इसमें भी इसकी मात्रा बहुत कम ही रखें, सिर्फ गार्निशिंग के लिए इसका यूज करें।

*वेजिटेबल सूप पीना ही हो तो सबसे पहले ये देख लें कि शुगर के पेशेंट्स के लिए कौन-सी सब्जियां हेल्दी हैं। क्योंकि सभी सब्जियों का सूप शुगर में फायदा देने वाला नहीं होता होता है।

*जब भी गाजर खाने का मन हो तो साथ में कच्चा आंवला जरूर खाएं क्योंकि ये ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है। इसलिए गाजर की सलाद या जूस में आंवला जरूर यूज करें।(आरएनएस)

रेड आउटफिट में अप्सरा सी नजर आई मोनालिसा

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा अपनी ग्लैमरस अदाओं से सोशल मीडिया का पारा हाई किए रहती हैं। उनकी लेटेस्ट तस्वीरें फैंस के दिलों को बेताब किए रहती है। वहीं, रेड आउटफिट में एक्ट्रेस मोनालिसा अपने हुस्न का जलवा बिखेरती नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस मोनालिसा ने गोल्डन वर्क के साथ रेड आउटफिट में साड़ी स्टाइल की आउटफिट कैरी कर रखी है। ओपन हेयर स्टाइल और गोल्डन ज्वैलरी में एक्ट्रेस मोनालिसा बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। एक्ट्रेस मोनालिसा ने इस आउटफिट के साथ हैवी मेकअप कर रखा है। इस आउटफिट में एक्ट्रेस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही हैं। एक्ट्रेस

मोनालिसा इन दिनों भोजपुरी इंडस्ट्री से दूरी बनाए हुए हैं। लेकिन, उनकी फैन फॉलोइंग में कोई कमी नहीं है। मोनालिसा बोल्ड और बिकिनी तस्वीरें शेयर करने में बिल्कुल नहीं झिझकती हैं। फैंस को उनका यही बोल्ड अंदाज काफी पसंद है। मोनालिसा का असल नाम अंतरा बिश्वास है। फिल्मी दुनिया में कदम रखने के बाद अंतरा मोनालिसा बन गईं। साथ ही वो कोलकाता की रहने वाली हैं। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तस्वीर और वीडियोज का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। मोनालिसा का इंस्टा पर 5.3 मिलियन फॉलोवर्स फॉलो करते हैं। मोनालिसा की तस्वीरें फैंस के दिलों को बेताब किए हुए हैं, उनकी तस्वीरें देखकर फैंस अपने दिलों को थामें नजर आ रहे हैं।

शब्द सामर्थ्य -015

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

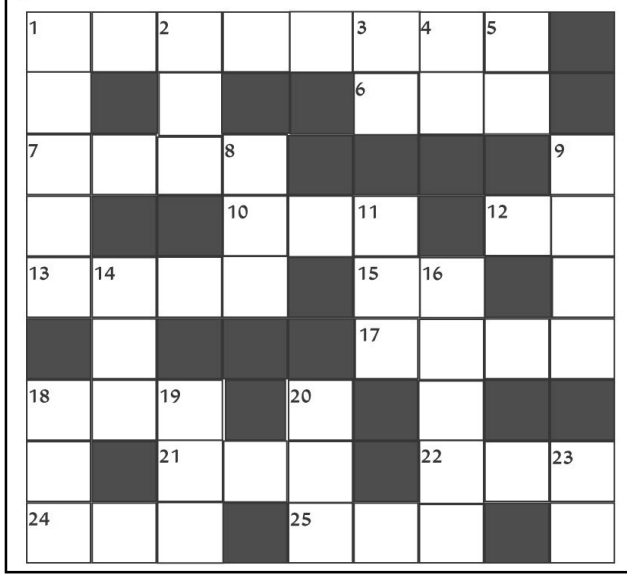

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 14 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

बागी के 7 साल पूरे, टाइगर श्रॉफ ने कहा, इसने मुझे पहचान दी

अपनी पहली फिल्म बागी के रिलीज होने के सात साल पूरे होने पर, अभिनेता टाइगर श्रॉफ ने फिल्म के लिए एक दिल छू लेने वाला नोट लिखा। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने उन्हें उद्योग में एक पहचान और एक जीवन दिया है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर टाइगर ने अपनी एक तस्वीर साझा की और इस अवसर पर अपने गुरु साजिद नाडियाडवाला को धन्यवाद भी दिया।

उन्होंने लिखा-एक फिल्म के 7 साल जिसने मुझे उद्योग में एक पहचान और एक जीवन दिया। सभी दर्शकों और मेरे प्रशंसकों को धन्यवाद जो मुझे स्वीकार करने के लिए मेरे परिवार की तरह हैं। इस फ्रेंचाइजी के लिए खून पसीना बहाया है, लेकिन सब सार्थक हुआ।

उन्होंने लिखा, और हमेशा अपने गॉडफादर/मेंटॉर साजिदनाडियाडवाला का आभारी हूं.. मुझे एक मंच देने के लिए ताकि मैं अपनी कला दिखा सकूं। मेरे पहले निर्देशक और मेरे पसंदीदा में से एक.. आपके बिना यह संभव नहीं होता पाजी लव यूइस बीच, टाइगर फिलहाल पूरी फिल्म टीम के साथ यूके में अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर बड़े मियां छोटे मियां की शूटिंग कर रहे हैं।

वह कई अन्य अघोषित फिल्मों के अलावा गणपथ की भी तैयारी कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन ने दुल्हा-दुल्हन के साथ घुंघरू और बैंग बैंग पर किया जमकर डांस

पिछले दिनों बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन का एक शादी में दूल्हा-दुल्हन के साथ अपने गानों पर डांस करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ। बॉली ब्लाइंड्स एन गॉसिप द्वारा रेडिट द्वारा शेयर की गई एक क्लिप में, ऋतिक ऑल-ब्लैक सूट में दुल्हा-दुल्हन के साथ स्टेज पर डांस करते हुए दिख रहे हैं।

उन्होंने फिल्म वॉर के गाने घुंघरू और बैंग बैंग टाइटल ट्रैक पर डांस किया। उन्हें पहले दूल्हे के साथ डांस करते देखा गया और फिर बाद में दुल्हन को भी अपने साथ डांस करने के लिए कहा।वर्कफ्रंट की बात करें तो ऋतिक अगली बार फाइटर में एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर के साथ दिखाई देंगे।

फिल्म का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। यह 25 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में हिट होने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

मालदीव में छुट्टियां मना रही महिमा मकवाना, लाजवाब खानों का उठा रहीं लुफ्त

बालिका वधु और अतिमंद फाइनल ट्रुथ की एक्ट्रेस महिमा मकवाना हाल ही में मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस ने अपनी छुट्टियों के दौरान कई एक्टिविटीज कीं और तमाम लाजवाब खानों का लुफ्त उठाया।एक्ट्रेस ने बताया, मालदीव हमेशा से खूबसूरती की वजह से मेरी लिस्ट में रहा है।

मैं अलग-अलग जगहों को एक्सप्लोर करती रहती हूं। समुद्र में तैरना और कयाकिंग मेरे द्वारा अनुभव की गई सबसे अच्छी चीजों में से एक है। मैंने कुछ जापानी डिश भी आजमायी।उन्होंने आगे कहा, हालांकि मैं वहां सीमित समय के लिए थी। लेकिन मैं अगली बार यहां स्नॉर्केलिंगकरने की कोशिश करना पसंद करूंगी।

अलग-अलग देशों की यात्रा करना, अलग-अलग व्यंजनों को एक्सप्लोर करना और आजमाना हमेशा बहुत सुखद होता है। मालदीव हमेशा से एक प्रसिद्ध स्थान रहा है और मुझे खुशी है कि अब मैंने इसे अपनी लिस्ट में शामिल कर लिया है। मुझे लगता है कि यह एक ऐसी जगह है, जहां आप साल में कभी भी आ सकता है।

जालीदार टॉप में सोफिया अंसारी ने दिए डिफरेंट स्टाइल में पोज

सोफिया अंसारी ग्रीन कलर के जालीदार आउटफिट में कहर बरपाती नजर आ रही हैं। उन्होंने जिन डिफरेंट स्टाइल में पोज दिए उन्हें देखकर फैंस आहें भर रहे हैं। साथ ही उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटा रहे हैं। एक्ट्रेस सोफिया अंसारी अपनी बोल्डनेस और हॉट अदाओं के कारण अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। सोफिया अंसारी ने ब्लैक ब्रा के ऊपर ग्रीन टॉप पहन रखा है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग लग रही हैं। बिखरी जुल्फों के साथ एक्ट्रेस सोफिया अंसारी बेहद ही स्टाइलिश और बोल्ड नजर आ रही हैं, उनकी तस्वीरें देखकर फैंस बेताब हो रहे हैं। डिफरेंट स्टाइल में पोज देने के कारण एक्ट्रेस सोफिया को कुछ ट्रोलर्स ट्रोल कर रहे हैं। साथ ही उनके पोज को काफी सेक्सुअल बता रहे हैं। सोफिया अंसारी इस आउटफिट में अपना जमकर क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। सोफिया अंसारी अक्सर अपने फैंस के लिए लेटेस्ट बोल्ड तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटाते हैं। मूल रूप से गुजरात के वडोदरा की रहने वाली सोफिया अंसारी महज 25 साल की उम्र में एक बेहतरीन लग्जरी लाइफ जीती हैं। टिकटॉकर से करियर की शुरुआत करने वाली सोफिया अंसारी इंस्टाग्राम पर अपनी रील्स वीडियो शेयर करती हैं । सोफिया ने अपनी पढ़ाई के साथ-साथ ही मॉडलिंग शुरू की, लेकिन कई टेलीविजन शो में ऑडिशन के बाद भी काम न मिलने पर सोफिया ने रील्स बनाकर खुद को इस मुकाम तक पहुंचाया। (आरएनएस)

केजीएफ स्टार यश ने निर्देशक गीतू मोहनदास से मिलाया हाथ

केजीएफ के प्रशंसक अपने सुपरस्टार यश की अगली फिल्म की घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उधर, यश अपना अगला प्रोजेक्ट साइन करने से पहले कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहते और वह सोच-समझकर अपने लिए अच्छी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसकों को उम्मीद थी कि केजीएफ की सफलता के बाद यश किसी बड़े निर्माता-निर्देशक संग काम कर सकते हैं, लेकिन खबर है कि यश ने निर्देशक गीतू मोहनदास के साथ हाथ मिलाया है।

खबर के अनुसार, गीतू मोहनदास और यश पिछले साल से ही एक प्रोजेक्ट पर बातचीत कर रहे थे। जब गीतू अपने कॉन्सेप्ट के साथ यश के पास आईं, तो यश इससे काफी प्रभावित हुए। जहां हर कोई यश के भारतीय सिनेमा के किसी दिग्गज नाम के साथ साझेदारी की उम्मीद कर रहा था, वहीं यश ने अपने लिए ठोस स्क्रिप्ट को चुना है। वह मलयालम फिल्म जगत की सम्मानित निर्देशक के साथ हाथ मिलाने जा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, अगले एक महीने के अंदर यश की नई फिल्म यश 19 की घोषणा हो सकती है। यश और गीतू के बीच बातचीत का अंतिम चरण चल रहा है और 15 दिनों में दोनों औपचारिकताएं पूरी कर सकते हैं। सबकुछ सही रहा तो जून में इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो सकती है। इसे अगले साल रिलीज करने की योजना है। फिल्म की अन्य जानकारियों के लिए प्रशंसकों को इसके आधिकारिक ऐलान का इंतजार करना होगा।

गीतू की बात करें तो वह मलयालम सिने जगत की जानीमानी नाम हैं। वह लायर्स डाइस और द एल्डर वन जैसी फिल्में बना चुकी हैं। गीतू 2 बार राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीत चुकी हैं।

इससे पहले यश का नाम अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र से भी जुड़ा था। ब्रह्मास्त्र 2 में दीपिका पादुकोण के होने की पुष्टि के बाद फिल्म में मुख्य अभिनेता के नाम पर तरह-तरह की चर्चा हो रही थी। पहले फिल्म से रणवीर सिंह और ऋतिक रोशन का नाम जोड़ा गया। इसके बाद खबरें आईं कि फिल्म में यश मुख्य भूमिका निभाएंगे। हालांकि, निर्माताओं ने इन सभी खबरों का खंडन कर दिया था।

केजीएफ में रॉकी भाई का किरदार निभाकर यश सिनेमा की दुनिया में छा गए थे। केजीएफ 2018 में रिलीज हुई थी। इसके बाद 2022 में आई केजीएफ 2 ने भी बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़े थे। फिलहाल केजीएफ 3 पर काम जारी है। निर्माता विजय किरांगदुर इस फ्रैंचाइजी को मार्वल यूनिवर्स के तर्ज पर बनाने की योजना कर रहे हैं। विजय ने एक इंटरव्यू में बताया था कि केजीएफ 5 के बाद यश इस फिल्म से बाहर हो जाएंगे।

शहनाज गिल अनिल कपूर और भूमि पेडनेकर संग आएंगी नजर

टीवी शो बिग बॉस में अपनी मौजूदगी के बाद शहनाज गिल इन दिनों लाइमलाइट में छाई हुई है। उन्होंने बॉलीवुड में एंट्री करने की ठानी और किसी और के साथ नहीं बल्कि बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान की फिल्म से वह बॉलीवुड में कदम रखेंगी। शहनाज गिल ने जहां उन्होंने अपनी पहली फिल्म किसी का भाई किसी की जान में सलमान खान के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया।

बिग बॉस 13 में अपनी मौजूदगी के बाद प्रसिद्धि पाने वाली शहनाज गिल मौजूदा वक्त में अपनी पहली फिल्म किसी का भाई किसी की जान की रिलीज के लिए पिछले दिनों प्रमोशन करती नजर आयी थीं। अभिनेत्री सलमान खान और पूजा हेगड़े के साथ काम कर रही हैं। फरहाद सामजी की तरफ से डायरेक्ट की गई इस फिल्म में पलक तिवारी, सिद्धार्थ निगम, राघव जुयाल, वेंकटेश दगुबत्ती, भूमिका चावला और जस्सी गिल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। हाल ही में एक विशेष बातचीत की, जहां उन्होंने अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म, सलमान के साथ काम करने के अपने अनुभव और बहुत कुछ के बारे में बात की।

खास बात यह है कि उनकी पहली फिल्म रिलीज होने से पहले ही शहनाज ने अपना अगला प्रोजेक्ट साइन कर लिया है। वह रिया कपूर के अगले प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। कथित तौर पर, फिल्म का निर्देशन रिया के पति करण बुलानी करेंगे और इसमें भूमि पेडनेकर और अनिल कपूर भी होंगे।

अपनी बातचीत के दौरान, शहनाज़ को किसी का भाई किसी की जान के बाद अपनी अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी साझा की। ज्यादा खुलासा किए बिना उन्होंने कहा, मेरी कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। मैंने रिया कपूर की फिल्म में काम किया है। जब भी यह रिलीज होगी, हम इसके बारे में बात करेंगे। मैंने उस फिल्म में भी अच्छा काम करने की पूरी कोशिश की हैं।

अक्षय कुमार के साथ अंधाधुन की रीमेक बनाने की योजना बना रहे रोहित शेट्टी ?

आयुष्मान खुराना की 2018 की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म अंधाधुन समीक्षकों और दर्शकों को खूब पसंद आई थी। श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आयुष्मान ने एक दृष्टिहीन व्यक्ति का किरदार निभाया था। वह वास्तव में दृष्टिहीन या इसका नाटक कर रहा है, इसका पता पूरी फिल्म देखने के बाद चलता है। अब खबर है कि रोहित शेट्टी इस फिल्म का रीमेक बनाने की योजना बना रहे हैं। इसको लेकर अन्य जानकारियां भी सामने आई हैं।

रिपोर्ट के अनुसार रोहित शेट्टी अंधाधुन की रीमेक बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन शुरू कर दिया है। इस फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। इस फिल्म का नाम अंधाधूम होगा। रिपोर्ट्स की मानें तो अंधाधूम में रोहित की हर फिल्म की तरह कार चेजिंग सीन और एक्शन सीन की भरमार होगी। श्रीराम राघवन की फिल्म को रोहित के चश्मे से देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

भले ही रोहित ने अभी फिल्म या स्टारकास्ट के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी न दी हो, लेकिन स्क्रिप्ट में अक्षय कुमार, दीपिका पादुकोण और अजय देवगन के नाम का जिक्र है। इसके मुताबिक, फिल्म में अक्षय एक पियानिस्ट की भूमिका निभाएंगे। अंधाधुन में आयुष्मान पियानिस्ट की भूमिका में नजर आए थे। उनके साथ फिल्म में दीपिका नजर आएंगी। फिल्म में अजय नकारात्मक भूमिका निभाएंगे। अजय और अक्षय को पर्दे पर साथ देखना दर्शकों के लिए दिलचस्प होगा।

फिल्म के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा न होने से दर्शक यह भी कयास लगा रहे हैं कि ये जानकारी रोहित की फिल्म सिंघम अगेन की हो सकती हैं। सिंघम अगेन में अजय और दीपिका के होने की घोषणा हो चुकी है।

अंधाधुन 2018 में आई थी। फिल्म में आयुष्मान के साथ तब्बू और राधिका आप्टे मुख्य भूमिका में नजर आई थीं। इस सस्पेंस थ्रिलर फिल्म में तब्बू के किरदार का एक सच, आयुष्मान के किरदार की जिंदगी बदल देता है। इस रोमांचक फिल्म में हर पल एक नया मोड़ आता है। अंधाधुन नेटफ्लिक्स पर देखी जा सकती है। इस फिल्म का तमिल और मलयालम में रीमेक बन चुका है। रोहित शेट्टी की पिछली फिल्म सर्कस पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म न समीक्षकों को पसंद आई थी और न ही दर्शकों को। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म फ्लॉप हो गई। सर्कस के बाद अब वह अपनी वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स पर काम कर रहे हैं। अमेजन प्राइम की इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय नजर आएंगे। उनकी सिंघम अगेन भी चर्चा में है।

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेसः एक बहुमूल्य रत्न!

पीयूष गोयल

गवर्नमेंट ई मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के अंत में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। इसके माध्यम से केन्द्र एवं राज्य सरकारों, विभिन्न आधिकारिक एजेंसियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और सहकारी समितियों ने किसी एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख ऑनलाइन लेनदेन के जरिए दो लाख करोड़ रुपये (24 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से अधिक मूल्य की वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद की। यह समावेशी विकास, पारदर्शिता, दक्षता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के प्रति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वचनबद्धता का एक उत्कृष्ट प्रमाण है।

जीईएम सही अर्थों में एक रत्न है। इसने पुराने पड़ चुके आपूर्ति और निपटान महानिदेशालय (डीजीएसएंडडी) का स्थान लिया है। उचित रूप से, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के नए कार्यालय भवन, वाणिज्य भवन, का निर्माण उस भूमि पर किया गया है जहां कभी डीजीएसएंडडी हुआ करता था। इस भवन के शिलान्यास समारोह में, प्रधानमंत्री मोदी ने सही ही कहा था: अब 100 साल से अधिक पुराने इस संगठन को बंद कर दिया गया है और इसके स्थान पर डिजिटल तकनीक पर आधारित एक नए निकाय - गवर्नमेंट-ई-मार्केटप्लेस- को लाया गया है। जीईएम ने सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुओं की खरीद के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है।

अगस्त 2016 में स्थापित होने के बाद से, जीईएम के कामकाज में असाधारण प्रगति हुई है। इस पोर्टल पर होने वाले लेनदेन का कुल मूल्य 2022-23 में लगभग दोगुना होकर पिछले वित्तीय वर्ष में 1.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.01 लाख करोड़ रुपये हो गया। वित्तीय वर्ष 2016-17 में 422 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ इसकी अनूठी यात्रा शुरू हुई थी।

इस पोर्टल का शुभारंभ वस्तुओं एवं सेवाओं की सार्वजनिक खरीद को प्रधानमंत्री के 'न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन' के मिशन और सरकारी प्रणालियों को ईमानदार, प्रभावी और सभी के लिए सुलभ बनाने हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की उनकी रणनीति के अनुरूप ढालने के उद्देश्य से किया गया था।

जीईएम की प्रतिस्पर्धी बोली जैसी पारदर्शी कार्यप्रणालियों ने सरकारी विभागों एवं उपक्रमों को करदाताओं के लगभग 40,000 करोड़ रुपये बचाने में मदद की है। इस तरह की पहलों ने मोदी सरकार को राजकोषीय स्थिति से समझौता किए बिना कल्याणकारी कार्यों पर होने वाले व्यय में उल्लेखनीय वृद्धि करने में मदद की है।

कई अर्थों में, जीईएम लोगों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के पक्ष में जबरदस्त मतदान किए जाने के बाद से शासन-प्रशासन में लाए गए बदलावों का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। लोग पिछली सरकार से तंग आ चुके थे, जो हमेशा भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी रहती थी। उस सरकार के कई मंत्रियों के लिए तो विभिन्न अखबारों के मुख्य पृष्ठों पर छपने वाली शर्म और लांछन की रोज की खुराक ही उनकी जीवनशैली का एक आधार थी।

इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व वृद्धि से कहीं अधिक है और यह अपने-आप में ई-कॉमर्स की किसी भी बड़ी कंपनी को ईर्ष्या से भर देने के लिए काफी है। इस नई प्रणाली ने सदियों पुरानी उन प्रक्रियाओं की जगह ली है जो अक्षमताओं और भ्रष्टाचार से ग्रस्त थीं। सरकारी खरीद अपारदर्शी, काफी समय लेने वाली, बोझिल और भ्रष्टाचार एवं निर्माताओं की गुटबंदी (कार्टेलाइजेशन) में लिप्त हुआ करती थी। केवल कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोग ही प्रवेश संबंधी विशाल बाधाओं को पार कर पाते थे। खरीदारों के पास विशेषाधिकार प्राप्त और अक्सर बेईमान आपूर्तिकर्ताओं से ऊंची एवं बिना मोल-भाव वाली कीमतों पर घटिया सामान खरीदने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। जबकि संभावित विक्रेताओं को सूचीबद्ध होने और फिर समय पर भुगतान पाने के लिए पूरी तरह से सुविधा प्रदान करने वाली एजेंसी की दया पर निर्भर रहना होता था और दर-दर भटकना पड़ता था।

इसके उलट, इस प्रौद्योगिकी-संचालित प्लेटफॉर्म के जरिए विक्रेता पंजीकरण, ऑर्डर देने और भुगतान की प्रकिया में शायद ही कोई मानवीय हस्तक्षेप शामिल होता है। हर कदम पर खरीदार, उसके संगठन के प्रमुख, भुगतान करने वाले अधिकारियों और विक्रेताओं को एसएमएस और ई-मेल के जरिए सूचनाएं दीं जाती हैं।

कागजरहित, नकदरहित और फेसलेस जीईएम की यह प्रणाली खरीदारों को असंख्य विक्रेताओं से सीधे प्रतिस्पर्धी दरों पर वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद करने की आजादी देता है। यह नई प्रतिस्पर्धी प्रणाली प्रधानमंत्री मोदी की डिजिटल इंडिया की पहल पर आधारित क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला एक और कदम है। इसने सार्वजनिक खरीद के तौर-तरीकों को बदल दिया है और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और छोटे व्यापारियों के लिए लोकप्रिय सरकारी आर्डर हासिल करना संभव बनाया है।

ठोस आंकड़े और तीसरे-पक्ष द्वारा किए गए व्यावहारिक विश्लेषण जीईएम की सफलता की पुष्टि करते हैं। विश्व बैंक और आईआईएम लखनऊ द्वारा किए गए एक स्वतंत्र अध्ययन में औसत मूल्य से औसतन 10 प्रतिशत की बचत का अनुमान लगाया गया है। विश्व बैंक का कहना है कि प्रत्येक नए बोलीदाता के जुड़ने से बचत में 0.55 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) के एक अध्ययन से यह पता चला है कि 2021-22 में वार्षिक लागत बचत 8 प्रतिशत - 11 प्रतिशत के दायरे में थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सही ही जीईएम के उद्देश्य को न्यूनतम मूल्य और अधिकतम आसानी, दक्षता व पारदर्शिता के रूप में अभिव्यक्त किया है।

इस पोर्टल पर 32 लाख से अधिक सूचीबद्ध उत्पादों के साथ 11,500 से अधिक उत्पाद श्रेणियां उपलब्ध हैं। इनमें 280 से अधिक श्रेणियां सेवा क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं और ये 2.8 लाख से अधिक सेवा संबंधी पेशकश करती हैं। जीईएम 67,000 से अधिक सरकारी खरीदार संस्थानों की खरीद संबंधी विविध जरूरतों को पूरा कर रहा है। इन संस्थानों ने सभी खरीदारों और विक्रेताओं को समान अवसर देने वाले जीईएम की मदद से लगभग 40,000 करोड़ रुपये की बचत की है।

मूल्य की दृष्टि से अगर देखें, तो विभिन्न राज्यों की ओर से लगभग 60 प्रतिशत ऑर्डर सूक्ष्म और लघु उद्यमों को दिए गए हैं। विभिन्न राज्यों ने दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले व्यवसायियों सहित अपेक्षाकृत कम सुविधा पाने वाले व्यवसायियों के लिए पहुंच में आसानी को दर्शाते हुए विभिन्न स्टार्ट-अप को भी 1,109 करोड़ रुपये के ऑर्डर दिए हैं।

पुरानी और गहरी जड़ें जमा चुकी खरीद प्रक्रियाओं को पुनर्व्यवस्थित करने में पेश आने वाली व्यापक जटिलताओं को देखते हुए, जीईएम वैश्विक स्तर पर शुरू की गई बदलाव-प्रबंधन की सबसे बड़े कवायदों में से एक है और प्रधानमंत्री मोदी की सरकार की कार्यशैली के अनुरूप है। टीकाकरण, मुफ्त भोजन के वितरण, एलईडी बल्बों को अपनाने, नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के निर्माण और डिजिटल भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि आदि जैसे मामलों में दुनिया में अग्रणी होना इस कार्यशैली के कुछ उदहारण हैं।

इस पोर्टल की परिवर्तनकारी सफलता पूरी अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत है क्योंकि यह रत्न अमृत काल के दौरान दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ा रहा है। खासकर उस समय में जब भारत प्रधानमंत्री मोदी के निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व में 2047 तक एक विकसित देश बनने की राह पर अग्रसर है।

सू- दोकू क्र.015

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.14 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

केजरीवाल जेल गए तब भी उनका वोट सुरक्षित!

हरिशंकर व्यास

भाजपा यदि आम आदमी पार्टी को तोड़ डाले, उसकी मान्यता खत्म कर दे तो अलग बात है वरना दिल्ली और देश में केजरीवाल के जो वोट बने थे वे जस के तस हैं! बहुत हैरानी हुई मुझे राजस्थान के मध्य वर्ग परिवार और दिल्ली की झुग्गी-झोपड़ बस्तियों से काम के लिए कॉलोनी में आने वाली महिलाओं की चर्चा सुन कर। मैं मान रहा था कि अरविंद केजरीवाल के घर की शानो-शौकत, 45 करोड़ रुपए के खर्च की बदनामी से उनके भक्तों में मोहभंग हुआ होगा। लेकिन उलटी बात सुनने को मिली। भक्तों की एक ही बात, एक ही तर्क है। और वह यह कि केजरीवाल ने नरेंद्र मोदी और अडाणी के खिलाफ बोला इसलिए उसे ऐसे बदनाम कर रहे हैं।

हां, नरेंद्र मोदी बनाम अरविंद केजरीवाल के ग्राफ का फर्क गजब है। केजरीवाल के साथ दिल्ली में उनकी सरकार का काम (खासकर स्कूल, बिजली, पानी) लोगों में जस का तस चर्चित है वही नरेंद्र मोदी अपनी सरकार की मैसेजिंग में फेल हैं। उस नाते दिल्ली के विधानसभा चुनाव 2020 में केजरीवाल को जो 54 प्रतिशत वोट मिले थे उनमें मध्य उच्च वर्ग के परंपरागत मोदी विरोधी घरों में भले मोहभंग हो और वे कांग्रेस की तरफ मुड़ें लेकिन झुग्गी-झोपड़ी, गरीब वर्ग में टीवी चैनलों के केजरीवाल एक्सपोजर का कोई अर्थ

नहीं है। सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया या अरविंद केजरीवाल के जेल जाने से आप के दिल्ली वोटों पर फर्क नहीं पड़ने वाला है। मोदी-शाह को या तो दिल्ली विधानसभा खत्म करनी होगी या आम आदमी पार्टी की मान्यता को उद्धव ठाकरे की शिव सेना की तरह रद्द कराना होगा तभी दिल्ली में भाजपा का मतलब बनेगा।

सवाल है मोदी-शाह को तो सन् 2024 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली की सात सीटें चाहिए। अपना मानना है उसमें भाजपा को दिक्कत नहीं होगी। पहली बात, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस साथ मिलकर एलायंस में चुनाव लड़ें, इसके फिलहाल आसार नहीं हैं। दूसरी बात, 2019 के लोकसभा चुनाव में दिल्ली में आप को 18 प्रतिशत तथा कांग्रेस को मिले 22 प्रतिशत वोट का कुल जोड़ भी भाजपा के 57 प्रतिशत वोटों से बहुत पीछे था। इसलिए नरेंद्र मोदी के करिश्मे में पहले तो भारी गिरावट हो, फिर कांग्रेस-आप मिल कर साझा चुनाव लड़ें तब जरूर लोकसभा सीटों पर कांटे की टक्कर बनेगी। भाजपा का केजरीवाल पार्टी को खत्म करने का मिशन केजरीवाल की सियासी बला की वैयक्तिक लड़ाई में है। मोदी बनाम केजरीवाल की निजी लड़ाई है। इसलिए लोकसभा की सात सीटें जीतने के बाद मोदी सरकार दिल्ली विधानसभा चुनाव तक आप को लड़ने लायक नहीं रहने देगी। सोचें, यदि डेढ़ साल केजरीवाल, सिसोदिया जेल में रहे, दिल्ली-पंजाब की उनकी सरकारों को लाचार बना दिया या भंग और खत्म कर दिया तो उस स्थिति में भक्त वोटों के होते हुए भी क्या आप चुनाव लड़ने लायक होगी?

इसलिए आजाद भारत की 75 वर्षों की राजनीति में नरेंद्र मोदी बनाम अरविंद केजरीवाल की लड़ाई न केवल बेमिसाल है, बल्कि तमाम तरह की नीचताओं को लिए हुए है और इससे अपने आप वक्त दो शख्सियतों के उत्थान-पतन की गाथा बनवाएगा।

सरोज, दुर्गा, चंद्रा को मिला जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2022

संवाददाता

मुनस्यारी। आंगनवाडी कार्यकत्रियों सरोज द्विवेदी, दुर्गा उप्रेती व चंद्रा आर्या को जिला पंचयात सदस्य पुररूकार 2022 से सम्मानित किया गया।

आज यहां विकास खंड मुनस्यारी की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से संवाद कार्यक्रम में ब्लाक की तीन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों बमनगांव की सरोज द्विवेदी, मदकोट की दुर्गा उप्रेती,जैती की चंद्रा आर्या को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से इस अवसर पर ग्रामीण समाज में रचनात्मक कार्य तथा संस्कार युक्त समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभाने का आव्हान किया गया। विकास खंड सभागार में आयोजित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से संवाद कार्यक्रम में ब्लाक के दुरदराज क्षेत्रों में पहुंची आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने अपनी समस्याओं को भी जोरदार ढंग से उठाया। उन्होंने कहा कि मंहगाई के इस दौर में उन्हें मानदेय की जगह अब वेतनमान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि टीएचआर का स्वरूप पूर्व की तरह रखने या बच्चों के खाते में रुपए डालने की व्यवस्था की जाय। उन्होंने कहा कि शीत कालीन तथा ग्रीष्म कालीन अवकाश, आंगनबाड़ी गणवेश, मिनी आंगनबाड़ी केंद्र को अपग्रेड करने, बैठक का टीए व डीए देने, पेंशन देने सहित कई मांगों को उठाया। वर्ष 2022 का वेस्ट आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रूप में आंगनबाड़ी केंद्र बमनगांव की कार्यकत्री सरोज द्विवेदी, मदकोट की आंगनबाड़ी कार्यकत्री दुर्गा उप्रेती, मल्ला जैती की आंगनबाड़ी कार्यकत्री चन्द्रा आर्या को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सम्मान विकास खंड की वरिष्ठ आंगनबाड़ी कार्यकत्री अमृता बिष्ट, पार्वती धामी, नंदी कोरंगा ने तीनों सम्मान पाने वाली आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार से जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि जिला पंचायत सदस्य सम्मान की घोषणा का आज मूर्तरूप दिया गया। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों तथा अल्प मानदेय के बाद भी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। इसलिए इस सम्मान की परिपाटी शुरू की गई है। खंड शिक्षा अधिकारी विनोद सिंह ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्र के बेहतरीन संचालन पर जानकारी दी। कहा कि बच्चों के निर्माण में आंगनबाड़ी केंद्र की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि बच्चों को खेल खेल में शिक्षा देने वाली पद्धति का विकास किया जाना आवश्यक है। ब्लाक के भीतर चल रही शैक्षिक गतिविधियों के बारे में जानकारी देते हुए ज्ञान वर्धक बातें बताई। कार्यक्रम का संचालन प्रभारी बाल विकास अधि कारी तुलसी ऐरी ने किया।

मारपीट में दोनों तरफ से मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। मामूली विवाद में दो पक्षों में जमकर लात घूंसे चले। पुलिस ने दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुस्लिम कालोनी से पार्षद इतात खान पुत्र हयात खान ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कल रात करीब 11बजे रात्रि को शादी समारोह से वापस घर लौट रहा था घर के पास पहुँचने पर उसको याद आया कि पार्क का गेट खुला है उसने उस पर ताला लगाया और अपने घर के दरवाजे पर पहुँचा तभी उसके पडोस का रहने वाला फारुख पुत्र याकूब निवासी मुस्लीम कालोनी ने उसको आवाज लगाई और कहा कि अबे प्रार्षद मेरी बात सून मे करीब 10 से 15 कदम उसके पास पहुँचा तो उसने माँ बहन कि गँदी-गँदी गालिया देने शुरू कर दी इससे पहले वह कुछ समझ पाता कि उसका भांजा शाद, भाई अय्यूब, उसके मामा का लडका जिसका उसको नाम नही पता और उस्के साथ जफर और 2-3 अन्य लोग जिनके हाथ मे लाठी डन्डे और स्टील रोड थी और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी वह जान बचाकर घर कि तरफ भागा जहां उसने अपने भाई को आवाज लगाई और घर मे घुस गया लेकीन वो लोग उसको जान से मारने की नियत से आये थे और उसके पीछे घर मे घुस गये उसको और उसके भाई को खीचकर बाहर लाये और बेरहमी से मारना शुरु कर दिया। वहीं दूसरी तरफ फरजाना ने मुकदमा दर्ज कराया कि रात्री के समय सोनू पार्षद व उसका भाई गुड्डू, शब्बू लगभग 15 से 20 युवको के साथ उसके घर में घुसने की कोशिश करने लगे उसके उन्हे रोकने की कोशिश करी तो वह उसके साथ बतामीजी करने लगे और जब वह चिल्लाई तो पडोस से उसका भाई बचाव मे आये तो उन्होने उसके भाईयो के साथ भी मारपीट शुरु कर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सभी को महाराणा प्रताप के देश प्रेम और बहादुरी के जज्बे से प्रेरणा लेनी चाहिएः डा. धन सिंह रावत

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। शिरोमणी महाराणा प्रताप की 484वीं जयंती पर क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा दून के ननूरखेडा स्थित महाराणा प्रताप भवन मे आयोजित विशाल समारोह में मुख्य अतिथि सिरोही दरबार, माउंट आबू राजस्थान के महाराणा पद्मश्री रघुवीर सिंह चौहान तथा शिक्षा मंत्री डॉ.धनसिंह रावत,संस्था के संरक्षक मोहन सिंह चौहान द्वारा दीप प्रज्वलित कर तथा महाराणा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक ठाकुर राजेंद्र सिंह खत्री ने की।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि सभी देशवासियों को महाराणा प्रताप के देश प्रेम और बहादुरी के जज्बे से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने युवाओं को समाज सेवा से जुड़कर देश और समाज के उत्थान हेतु कार्य करने का भी आह्वान किया। इतिहासकार पद्मश्री रघुवीर सिंह चौहान ने क्षत्रिय वंश के पूरे इतिहास पर प्रकाश डाला।

समारोह में राजकीय विद्यालयों के उन बच्चों को भी पुरस्कार संकल्प की सचिव अनीता नेगी, मोहन सिंह खत्री, शशीकांत शाही आदि द्वारा प्रदान किए गए जिन्होंने चित्रकला पेंटिंग डांस आदि में भाग लिया था। समारोह में सतपुली गढ़वाल से आए समाजसेवी वयोवृद्ध ठाकुर सुंदर सिंह चौहान को उत्तराखंड क्षत्रीय सम्मान तथा संयुक्त नागरिक संगठन के सुशील त्यागी तथा 95 वर्षीय मंच के सलाहकार संसार शाही की सामाजिक सेवाओं हेतु शाल ओढ़ाकर तथा अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

मंच के केंद्रीय महामंत्री रवि सिंह नेगी ने कहा कि वर्तमान आरक्षण नीति को खत्म करके आर्थिक आधार पर आरक्षण दिया जाना चाहिए आरक्षण का केंद्र शैक्षिक उन्नति हो न कि सरकारी सेवाओ में इसे लागू रखा जाए।

समारोह में यशवंत सिंह पुंडीर, रंजना रावत, सुषमा शाही, कमला चौहान, देवेंद्र पुंडीर, सुरेंद्र सिंह तोमर, महेश रौथान, संसार शाही,बुद्ध सिंह रावत, अशोकवर्धन सिंह, राजीव पवार, सुरेंद्र चौहान, बलवीर सिंह रावत, अंकित रोथाण,धीरज सिंह नेगी, हिम्मत सिंह बिष्ट, राजेश राणा, अनूप चौहान आदि शामिल थे।

यात्रा की मर्यादा भंग करने पर 3 युवकों पर चला पुलिस का चाबुक

हमारे संवाददाता

पौड़ी। चारधाम यात्रा पर आये पर्यटको के साथ शराब पीकर हुड़दंग करना तीन युवकों को भारी पड़ गया। पुलिस ने यात्रा की मर्यादा भंग करने पर तीनों के खिलाफ पुलिस एक्ट के तहत कार्यवाही कर दी है।

जानकारी के अनुसार चारधाम यात्रा में महाराष्ट्र से आई महिला पर्यटक ने अपनी यात्री गाड़ी बोलेरो में बैठे तीन युवकों द्वारा शराब पीकर हुड़दंग मचाने की सूचना जिला कंट्रोल रूम पौड़ी के माध्यम से कोतवाली श्रीनगर के आपातकालीन सहायता वाहन 112 को दी। जिस पर श्रीनगर पुलिस मौके पर पहुँची तो महिला यात्री ने बताया कि वह चार धाम यात्रा पर बद्रीनाथ केदारनाथ और गंगोत्री यमुनोत्री अपने साथी के साथ आई थी। सुबह जब वह वापसी में बदरीनाथ से हरिद्वार के लिए चली थी तो बोलेरो गाड़ी में शराब पीकर तीन युवक बैठ गये। जिस पर महिला यात्री के द्वारा विरोध किया गया और उसके बाद जब गाड़ी श्रीनगर में पॉलिटेक्निक के पास पहुंची तो पुनः गाड़ी में बैठे तीनों युवकों द्वारा शराब पीने की जिद गाड़ी के ड्राइवर से कर जबरदस्ती गाड़ी को पॉलिटेक्निक के पास हाइवे पर रोक दिया।

मौके पर पहुंचकर श्रीनगर पुलिस द्वारा हुड़दंग करने वाले तीनों यात्री युवकों का अस्पताल श्रीनगर में मेडिकल कराया गया। जिसमें उनके शराब पीने की पुष्टि हुई और पुलिस के द्वारा 'ऑपरेशन मर्यादा' के तहत तीनों यात्री युवकों पर उत्तराखंड पुलिस एक्ट के तहत नियमानुसार कार्यवाही कर दी गयी है। इसके बाद महिला यात्री ने पुलिस की इस तत्परता से की गयी कार्यवाही पर पौड़ी पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित किया गया साथ ही कहा कि उत्तराखंड में यात्रा करना सुरक्षित और सुखद है।

श्रद्धा पूर्वक मनाया जेठ महीने की संग्राद व गुरु हरगोबिन्द साहिब का गुरतागद्दी दिवस

संवाददाता

देहरादून। श्रद्धा पूर्वक मनाया गया जेठ महीने की संग्राद व गुरू हरगोविन्द साहिब जी का गुरतागद्दी दिवस।

आज यहां गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, आढ़त बाजार देहरादून के तत्वावधान में जेठ महीने की संग्राद व गुरु हरगोबिन्द साहिब जी का गुरतागद्दी दिवस कथा -कीर्तन के रूप में श्रद्धा पूर्वक मनाया गया। प्रातः नितनेम के पश्चात हजूरी रागी भाई सतवंत सिंह ने आसा दी वार का शब्द ''हरि जेठि जुड़दा लोडीऐ जिसु अगै सभि निवनि'' का गायन किया एवं सेवक परिवार के द्वारा रखे गये श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग डाले गए। गुरु अर्जुन देव महाराज जी के 23 मई को आने वाले शहीदी दिवस को समर्पित स्त्री सत्संग सभा गुरद्वारा श्री गुरु सिंह सभा ने संगतों के साथ मिल कर

सुखमणि साहिब जी के पाठ किये, सजे हुए विशेष दीवान में भाई सतवंत सिंह हजूरी रागी जत्थे ने ''दसतगीर हुइ पंज पीर हरि गुरु हरि गोविंद अतोला'' का शब्द गायन किया। हैंड ग्रंथी भाई शमशेर सिंह ने सरबत के भले के लिए अरदास की, प्रधान, गुरबख्श सिंह राजन व जनरल सेक्रेटरी गुलजार सिंह द्वारा संगतों को जेठ महीने की संग्राद व गुरु हरगोबिन्द साहिब जी के गुरतागद्दी दिवस की बधाई दी। मंच का संचालन सेवा सिंह मठारु ने किया। कार्यक्रम के पश्चात संगत ने गुरु का लंगर व प्रशाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सरदार गुरबख्श सिंह राजन अध्यक्ष, सरदार गुलजार सिंह महासचिव, सरदार चरणजीत सिंह उपाध्यक्ष,सरदार मंजीत सिंह,गुरप्रीत सिंह जौली, सरदार सतनाम सिंह, सरदार हरचरण सिंह, अरविन्दर सिंह आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

कोर्ट ने मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा समन

नई दिल्ली। पंजाब की एक अदालत ने कांग्रेस पार्टी के प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को संघ से संबद्ध विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा बजरंग दल के साथ प्रतिबंधित इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया की तुलना करने के मामले में 100 करोड़ रुपये की मानहानि केस में तलब किया है। संगरूर जिला अदालत ने 'बजरंग दल हिंदुस्तान' नामक संगठन के अध्यक्ष हितेश भारद्वाज की शिकायत के बाद कांग्रेस अध्यक्ष को तलब किया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि हाल ही में संपन्न कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान, कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना षसिमी और अल-कायदा जैसे राष्ट्र-विरोधी संगठनोंष से की थी।

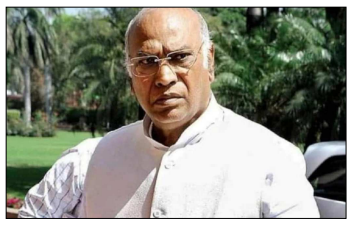

बजरंग दल का नाम लेते हुए, कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में उन संगठनों पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया था जो बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक समुदायों के बीच दुश्मनी या नफरत को बढ़ावा देते हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में कहा था कि कांग्रेस पार्टी जाति या धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम मानते हैं कि कानून और संविधान पवित्र हैं और बजरंग दल, पीएफआई या जैसे व्यक्तियों और संगठनों द्वारा इसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता है। शत्रुता या घृणा को बढ़ावा देने वाले अन्य, चाहे बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक समुदायों के बीच हों, कांग्रेस का घोषणापत्र, जिसे सर्व जनंगदा शांति थोटाश (सभी समुदायों का शांतिपूर्ण उद्यान) कहा जाता है। हालाँकि, चुनावी रैलियों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सार्वजनिक ताने सहित भाजपा नेताओं के भारी विरोध के बाद, कांग्रेस को अपने वादे को स्पष्ट करना पड़ा। पीएम मोदी ने मतदाताओं से श्जय बजरंगबलीश का जाप करने और संस्कृति का दुरुपयोग करने वालों को दंडित करने का आग्रह किया था।

ट्रक ने पिकअप को मारी टक्कर, मासूम समेत 6 की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार में भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहां रायपुर-बलौदा बाजार नेशनल हाईवे पर एक ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में 20-25 लोग घायल भी हो गए हैं। बलौदा बाजार में हुए इस हादसे में पांच महिलाओं और एक मासूम की मौत हो गई है। यह हादसा जिले के पलारी पुलिस थाना इलाके के गोडा पुलिया के पास हुआ है। पिकअप सवार लोग छठी कार्यक्रम से वापस लौट रहे थे, तभी एक तेज रफ्तार ट्रक ने पिकअप को टक्कर मार दी। इस हादसे में 20 से 25 लोग घायल भी हुए हैं, जिन्हें जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

इससे पहले बीती तीन मई को छत्तीसगढ़ के ही धमतरी जिले में भीषण हादसा हुआ था, जिसमें एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई थी। ये सभी बोलेरो गाड़ी से शादी समारोह में जा रहे थे तभी ट्रक ने गाड़ी को टक्कर मार दी थी, जिसमें सभी की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि डेढ़ साल की बच्ची ने रायपुर ले जाते समय दम तोड़ दिया था।

सत्येंद्र जैन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की जमानत अर्जी

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत की अर्जी दाखिल की है। जैन ने दिल्ली हाईकोर्ट से जमानत खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की है। 6 अप्रैल में दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के दिग्गज नेता सत्येंद्र जैन को हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा था। दिल्ली हाई कोर्ट ने यह कहते हुए जैन की जमानत याचिका खारिज कर दी थी कि निचली अदालत के फैसले में कोई गड़बड़ी नहीं है, लिहाजा जैन को राहत नहीं दी जा सकती। हाई कोर्ट ने यह माना था कि जांच के दौरान ऐसे सबूत मिले हैं, जो कथित तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग में शामिल चार कंपनियों में जैन और उनके परिवारों के जुड़ाव को दिखाते हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि जैन एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं, जो बाहर जाकर जांच को प्रभावित कर सकते हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि उसे निचली अदालत के फैसले में कोई कमी नजर नहीं आई। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने 22 मार्च को इस पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जैन को पिछले साल 30 मई को मामले में गिरफ्तार किया था। वह अभी न्यायिक हिरासत के तहत जेल में बंद हैं। आप नेता पर मनी लॉन्ड्रिंग में कथित तौर पर शामिल चार कंपनियों से जुड़े होने का आरोप है। सत्येंद्र जैन ने हाईकोर्ट से कहा था कि उनके खिलाफ कोई मामला नहीं बनता और वह जांच में सहयोग कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने तर्क दिया था कि मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद उन्हें कैद में रखने की जरूरत नहीं है।

यात्रा पर भारी पड़ती बर्फबारी

●नीलकंठ पर्वत पर एवलांच, एनडीआरएफ अलर्ट

विशेष संवाददाता

देहरादून। आधा मई माह बीतने को है तथा चार धाम यात्रा को शुरू हुए अब 3 सप्ताह से अधिक का समय हो चुका है लेकिन मौसम के बिगड़े मिजाज में किसी तरह का सुधार होता नहीं दिख रहा है भले ही बर्फबारी के बीच शुरू हुई चार धाम यात्रा में अब तक श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा हो लेकिन लगातार खराब मौसम के कारण अब चार धाम यात्रा की व्यवस्थाएं हांपने लगी है।

आज सुबह से केदारधाम में मौसम साफ था लेकिन दोपहर बाद अचानक मौसम में बड़ा बदलाव आया और जोरदार बर्फबारी शुरू हो गई जिसके कारण धाम में मौजूद श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। भले ही 25 मई तक केदारनाथ की यात्रा के

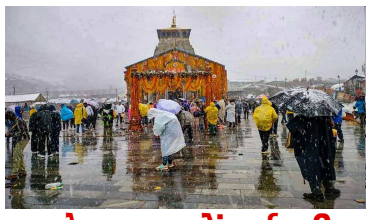

❑केदारधाम में बर्फबारी से चरमराई व्यवस्था

लिए रजिस्ट्रेशन पर रोक लगा दी गई हो लेकिन इसके बाद भी केदारधाम में औसतन 25 हजार श्रद्धालुओं के प्रति दिन पहुंचने का सिलसिला जारी है। लगातार हो रही बारिश और बर्फबारी के कारण पैदल मार्ग से जाने वाले यात्रियों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है वही धाम में आवश्यकता की सामग्री पहुंचाना भी संभव नहीं हो पा रहा है। धाम में रहने खाने की जो व्यवस्थाएं हैं वह भी चरमरा गई हैं।

पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी के कारण एंवलांच के खतरे भी बढ़ गए हैं आज चमोली के नीलकंठ पर्वत में एक एंवलांच की तस्वीर सामने आई जिसमें पहाड़ से भारी मात्रा में बर्फ की नदी तूफानी गति से नीचे आती दिख रही है। उल्लेखनीय है कि यह घटना बद्रीनाथ से 20-25 किलोमीटर दूर की है जहां धाम जाने वाले यात्री भी जाते हैं। एनडीआरएफ की टीम इस पर नजर बनाए हुए हैं। उधर हेमकुंड साहिब की यात्रा भी 20 मई से शुरू होने जा रही है लेकिन यहां 7-8 फीट बर्फ जमी हुई है रास्ता खोलने का काम मशीनों से जारी है लेकिन हर रोज बर्फबारी के कारण हालात जस के तस बने हुए हैं। भले ही अब तक खराब मौसम का इतना प्रभाव यात्रा पर न पड़ा हो लेकिन हालात यही रहे तो आगे मुश्किलें और बढ़ेंगी।

कार की चपेट में आकर एक्टिवा सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर एक्टिवा सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के बेटे की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओल्ड राजपुर निवासी अंश कुमार ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता आज लगभग समय साढे दस बजे दिन के करीब अपनी एक्टिवा गाडी से राजपुर से ऊपर आ रहे थे तभी इतने मे अनियंत्रित तेज रफ्तार कार जिसने उसके पिता की एक्टिवा को टक्कर मार दी। उसके पिता को उपचार के लिए दून अस्पताल ले जाया गया। जहाँ उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। गाडी का मालिक गाडी लेकर भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

तकरार के बीच..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

लोगों द्वारा यह कहकर मजार को तोड़ने का विरोध किया जा रहा था कि यह मजार 140 साल पुरानी बाजार थी लोगों का कहना है कि यहां हर साल हजारों लोग जियारत के लिए आते थे लोगों के विरोध के मद्देनजर पुलिस ने मजार जाने वाले रास्तों पर आवाजाही रोक दी गई थी। कुछ लोगों की इसे लेकर पुलिस के साथ नोकझोंक भी हुई लेकिन प्रशासन और पुलिस ने इस मजार को तोड़ दिया। उधर टिहरी के पौड़ी खाल में बनी एक 20-25 साल पुरानी मजार को ध्वस्त कर दिया गया। यह मजार वन भूमि पर बनी हुई थी। राज्य में अब तक कुछ 335 मजारों को तोड़कर 84 हेक्टेयर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है जबकि सर्वे के अनुसार राज्य में 118 61 हेक्टेयर जमीन पर धार्मिक संरचनाओं की मौजूदगी की बात सामने आई थी। अधिकारियों का कहना है कि अवैध अतिक्रमण पर की जाने वाली कार्यवाही आगे भी जारी रहेगी।

शर्मनाकः भिखारिन का चार महिलाओं ने किया अप्राकृतिक लैंगिक उत्पीड़न, गिरफ्तार

❑दान के पैसे न बांटने पर गुस्से में दिया वारदात को अंजाम

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। दान के पैसे न बांटने पर भिखारिन का उसके ही साथ की चार भिखारिन महिलाओं द्वारा अप्राकृतिक लैंगिक उत्पीड़न की घटना को अंजाम दिया गया। मामले की शिकायत पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपी चारों महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कनखल निवासी पीड़िता द्वारा थाना श्यामपुर पर हर की पैड़ी क्षेत्र में भीख मांगने वाली 4 अन्य महिलाओं द्वारा झोपड़ी के अंदर पीड़िता के साथ अप्राकृतिक लैंगिक उत्पीड़न करने का मुकदमा दर्ज कराया गया था। जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस ने उक्त घृणित कार्य को करने वाली 4 महिलाओं को शनि देव मंदिर चीला रोड से पकड़ लिया गया है। चारों गिरफ्तार महिलाओं के अनुसार किसी दानदाता द्वारा हर की पौड़ी क्षेत्र में कपड़े व 50 हजार रूपये गुप्त दान के तौर पर दिए गये थे, जो सभी में बंटने थे परंतु सारे पैसे कनखल निवासी (पीड़िता) महिला अपने घर शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश ले गई। जिस कारण गुस्से में उसको सबक सिखाने के उद्देश्य से उन्होने यह काम किया है। बहरहाल पुलिस ने गिरफ्तार चारों महिलाओं का मेडिकल कराने के बाद उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी ग्राम निवासी इमरान ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।